

उत्तराखंड में सुरक्षा उपाय सक्रिय

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की और राज्य के सभी [सीमावर्ती क्षेत्रों में मजबूत सुरक्षा](#) सुनिश्चित करने के साथ-साथ सीमांत इलाकों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर सख्त नजरानी रखने का निर्देश दिया।

प्रमुख बिंदु

- **संवेदनशील सीमावर्ती ज़िलों की पहचान की गई:**
 - उत्तरकाशी और चमोली की सीमा चीन से लगती है।
 - चंपावत और उधमसिंह नगर की सीमा नेपाल से लगती है।
 - पथौरीगढ़ की सीमा चीन और नेपाल दोनों से लगती है।
- **चार धाम यात्रा के दौरान सुरक्षा बढ़ाई गई:**
 - मुख्यमंत्री ने [चार धाम यात्रा](#) मार्ग पर सुरक्षा बढ़ाने पर जोर दिया, जहाँ वर्तमान में लाखों तीर्थयात्री पंजीकृत हैं।
 - उन्होंने निर्देश दिया कि तीर्थ स्थलों के लिये सभी सुरक्षा व्यवस्थाएँ अवलंब कर दी जाएं।
- **सामरिक अवसरचना का संरक्षण:**
 - बैठक में प्रमुख प्रतिष्ठानों, बांधों, वित्तीय संयंत्रों की सुरक्षा की समीक्षा की गई तथा सभी विभागों और पुलिस बलों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए।
- **आपातकालीन तैयारी उपाय:**
 - उन्होंने निर्देश दिए कि जिला एवं तहसील स्तर पर खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।
 - अस्पतालों को आवश्यक दवाओं की उचित व्यवस्था के साथ सतर्क रहना चाहिये।
- **नागरिक सुरक्षा और स्वयंसेवकों की भूमिका:**
 - मुख्यमंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों में नागरिक सुरक्षा समूहों और स्वैच्छिक संगठनों को प्रशिक्षित करने का आह्वान किया।
- **अफवाहों और गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाना:**
 - मुख्यमंत्री ने जनता तक सटीक एवं सत्यापित जानकारी प्रसारित करने की आवश्यकता पर बल दिया।
 - उन्होंने अधिकारियों को सोशल मीडिया पर सख्त नजरानी रखने और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए।